श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

# यतीन्द्र वाणी

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
हिन्दी पाक्षिक
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ | स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 20 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 जनवरी 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

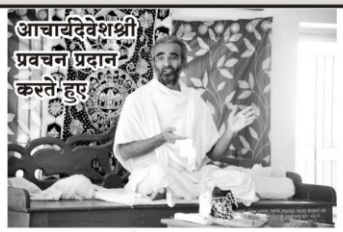


# भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री द्वारा गुजरात से राजस्थान की ओर उग्र विहार

## आचार्यश्री की शुभनिश्रा में सियाणा में पत्रिका लेखन

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी, सूरिमन्त्राराधक, आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. ने तालनपुर तीर्थ की भव्य प्रतिष्ठा के बाद निरन्तर उग्र विहार करते हुए गुजरात प्रान्त में प्रवेश किया । बड़ौदा, नडियाद, आणन्द आदि विहारानुक्रम में आए ग्राम-नगरों में आचार्यदेवेशश्री का भव्य प्रवेश के साथ गुरुभक्तों ने स्वागत किया । अहमदाबाद के उपनगरों में भी आचार्यदेवेशश्री का भव्य स्वागत प्रवेश हुआ यहाँ अनेक उपनगरों में श्रीसंघों के साथ समाज हितार्थ चर्चा हुई । यहाँ से विहार करते हुए आचार्यप्रवरश्री पाटण नगर में पदार्पण हुआ । पदार्पण के प्रसंग पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया । शोभायात्रा में बग्घी में पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरिजी म. सा. की तस्वीर लेकर बैठने का लाभ मेंगलवा निवासी श्रीमती मोहिनीदेवी साँवलचन्दजी बालगोता परिवार के सुपुत्र श्री सुरेशजी एवं पुत्रवधू श्रीमती मन्जूदेवी ने लिया । बैण्ड-बाजे के साथ शोभायात्रा नगर का परिभ्रमण करते हुए त्रिस्तुतिक उपाश्रय में धर्मसभा में परिवर्तित हो गई ।

धर्मसभा में आचार्य भगवन्त श्री जयरत्नसूरिजी म.सा. एवं मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा., मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. ने सारगर्भित प्रवचन प्रदान किया । धर्मसभा में पाटण नगर के विभिन्न संघों के अग्रणियों ने सम्बोधित करते हुए कहा कि पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के शिष्यरत्नों का अध्ययन हेतु जब से आगमन हुआ तब से नगर में जैनधर्म के विभिन्न समुदायों में एकता का वातावरण बना हुआ है । अग्रणियों ने चातुर्मास में हुई रथयात्रा और चैत्यपरिपाटी सहित अनेक आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि बहुत वर्ष बाद इस तरह की एकता के दर्शन हुए ।मुनि भगवन्तों के प्रयास से ही सम्भव हुआ है ।

समन्वयवादी आचार्यदेवेशश्री के पावन पदार्पण के निमित्त पाटण नगर के सभी समुदायों ने मिलकर काम्बली वोहराकर आशीर्वाद प्राप्त किया ।

यहाँ से विहार कर आचार्यदेवेशश्री डीसा नगरी पधारे । डीसा में भव्य शोभायात्रा के साथ मंगल प्रवेश हुआ जो नगर के मुख्य मार्गों से होता हुआ गुरु मन्दिर पहुँची जहाँ दर्शन-वन्दन करने के पश्चात् भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक गुरुदेवश्री का प्रवचन हुआ । यहाँ से लाखणी पधारे वहाँ पर भी आचार्यदेवेशश्री का भव्य मंगल प्रवेश हुआ । पेपराल तीर्थ से पधारे संघ की आग्रहपूर्ण विनन्ती पर यहाँ से पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की जन्मभूमि पेपराल पधारे । पेपराल में पुण्य-सम्राटश्री के पट्टधर का भव्य प्रवेश हुआ । मार्ग में गुरुभक्तों ने आचार्यश्री की अगवानी करते हुए गहुँली कर आशीर्वाद प्राप्त किया । शोभायात्रा परिभ्रमण करती हुई जिनमन्दिर पहुँची जहाँ आचार्यश्री के साथ सामूहिक चैत्यवन्दन-गुरुवन्दन कर उपाश्रय में धर्मसभा में परिवर्तित हो गई ।

आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. ने अपने वक्तव्य में कहा कि गुरु सबको मिलते हैं परन्तु सद्गुरु भाग्य से ही मिलते हैं । मैं अत्यन्त भाग्यशालीहूँ कि मुझे पुण्य-सम्राट और उनके गुरुभ्राता कृपासिन्धु योगिराज जैसे महान जिनशासन प्रभावक एवं ज्ञानी-ध्यानी गुरु मिले हैं । उन्होंने जो उपकार मुझ पर किया है वह लेशमात्र भी मैं चुका नहीं सकता । मुझे इस भूमि की स्पर्शना से नई ऊर्जा की प्राप्ति एवं पुण्य-सम्राट का शुभाशीर्वाद प्राप्त हुआ है । अन्त में आचार्यदेवेशश्री ने माँगलिक श्रवण कराया । प्रवचन पश्चात् गुरु जन्मभूमि का अवलोकन करते हुए पुण्य-सम्राट की धरोहरों के दर्शन किए । पेपराल तीर्थ पर श्री सियाणा जैन संघ द्वारा आग्रह भरी विनन्ती करने पर भाण्डवपुर तीर्थोद्धाक आचार्यश्री ने विहार मार्ग में परिवर्तन करते हुए विनन्ती को स्वीकार किया ।

पेपराल से आचार्यश्री वासना पधारे । यहाँ भी श्रीसंघ ने आचार्यश्री का भव्य मंगल प्रवेश बाजते गाजते करवाया । महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर पट्टधरश्री को बधाते हुए गहुँली कर आशीर्वाद प्राप्त किया । जिनमन्दिर में दर्शन-वन्दन के पश्चात् यहाँ भी आचार्यप्रवर ने धर्म सन्देश दिया ।

थराद से साँचोर, रानीवाड़ा, भीनमाल, रामसीन में धर्म सन्देश प्रदान करते हुए आचार्यदेवेशश्री दिनांक 9-1-2019 को सियाणा पधारे, जहाँ बाजते-गाजते सियाणा जैन संघ ने भव्यातिभव्य प्रवेश करवाया । प्रातः 11 बजे श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि प्रतिष्ठांजनशलाका महामहोत्सव की आमन्त्रण पत्रिका लेखन आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की पावन निश्रा में भव्य रूप से किया गया । यहाँ से 11-1-2019 को श्रीमती गीतादेवी धर्मपत्नी श्री कान्तिलालजी डामराणी निवासी मेंगलवा द्वारा आयोजित विशाल निःशुल्क नैत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर में निश्रा प्रदान करने पधारे । डामराणी परिवार को आशीर्वाद प्रदान करते हुए आचार्यदेवश्री ने कहा कि मानव सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं है और डामराणी परिवार जनकल्याण के अनेक कार्य समय-समय पर करके पुण्यार्जन कर रहा है वह अनुमोदनीय है । राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय, भाण्डवपुर में आचार्यदेवेशश्री के 45 वें दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों को बेग वितरण शा. भँवरलालजी मेघराजजी छत्रिय वोरा (मिलियम ग्रुप) सुराणा निवासी द्वारा किया जायेगा ।

दिनांक 12-1-2019 को आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. का 45 वाँ संयम पर्याय दिवस एवं दिनांक 13-1-2019 को गुरु सप्तमी महापर्व (पौष शुक्ला 7) अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में भव्य आयोजन श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) एवं श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ) के तत्वावधान में विविध धार्मिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जायेगा । जिसमें सम्पूर्ण देश के अनेक प्रान्तों से श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन होगा ।

# गच्छाधिपतिश्री का विहार मालवा से मरुधर प्रदेश

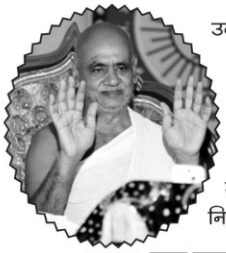

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी महाराजा के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का तालनपुर प्रतिष्ठा के पश्चात् मालवा से मरुधर की भूमि में जिनशासन प्रभावना के कार्यक्रमों में निश्रा प्रदान करने हेतु निरन्तर विहार गतिमान है।

पूज्य गच्छाधिपतिश्री आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का विहारानुक्रम में आए ग्राम-नगरों में श्रीसंघ द्वारा भव्य प्रवेश कराया गया। गच्छाधिपतिश्री का वट्टपली (वडाली) आगमन पर वहाँ विराजित आचार्यदेवश्री आनन्दघनसूरिजी म. सा. के शिष्य मुनिराजश्री राजतिलकविजयजी म. सा. ने वन्दना कर हर्षोल्लास के साथ तीर्थ का अवलोकन कराया। गच्छाधिपतिश्री ने आशीर्वाद प्रदान करते हुए

कहा कि तीर्थ निर्माण सभी चारित्रात्माओं हेतु विहार के समय उपयोगी सिद्ध होगा। यहाँ से विहार करते हुए राणपुर बंगला अम्बाजी हाईवे होते हुए कुम्भारियाजी तीर्थ पहुँचे, जहाँ विराजित दादा श्री नेमिनाथ प्रभु के दर्शन-वन्दन कर तीर्थ परिसर का अवलोकन किया। यहाँ पेपराल तीर्थ के ट्रस्टी श्री हीराभाई वेदलिया, डीसा संघ के श्री नवीनभाई वीरवाडिया, श्री दिनेशभाई धरू, श्री नरपतभाई दोशी आदि दर्शनार्थ पधारे। यहाँ से विहार कर धर्मदिवाकर गुरुदेव ने राजस्थान की विश्व प्रसिद्ध स्थली श्री आबू तलेटी जैन तीर्थ मानपुर, आबू रोड़ में प्रवेश किया। यहाँ पर गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यश्री रविदेवसूरिजी म. सा. का पारस्परिक मधुर मिलन हुआ। श्री रविदेवसूरिजी म. सा. ने इस आत्मीय मिलन में पुण्य-सम्राट गुरुदेव का स्मरण करते हुए उनके द्वारा किए शासन प्रभावना के कार्यों की अनुमोदना करते हुए प्रशंसा की।

पू. धर्मदिवाकर, गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. द्वारा स्थापित श्री कोरटाजी तीर्थ में श्री कोरटाजी जैन संघ द्वारा आयोजित दादा गुरुदेव की जन्म एवं स्वर्गारोहण तिथि गुरु सप्तमी महापर्व दिनांक 11-1-2019 से 13-1-2019 तक त्रिदिवसीय महोत्सव के साथ मनाया गया। दिनांक 11-1-2019 को पू. गच्छाधिपतिश्री का भव्य मंगल प्रवेश बैण्ड-बाजों, ढोल की मधुर थाप पर गुरुभक्तों ने नाचते हुए एवं जयकारों से वातावरण को गुँजायमान करते हुए कराया।

गुरु सप्तमी के महापर्व पर अपना सन्देश प्रदान करते हुए गच्छाधिपतिश्री ने कहा कि दादा गुरुदेवश्री ने अपने जीवनकाल में प्रत्येक परिस्थिति को अपने तप-जप-बल से अनुकूल कर जिनशासन प्रभावना के उत्कृष्ट कार्य करते हुए शुद्ध चारित्र की पालना की वह अद्वितीय है। उनके द्वारा प्रणीत साहित्य पर शोधार्थी आज पी.एच.डी. कर रहे हैं। इस अवसर पर मुनिभगवन्तों ने भी सारगर्भित प्रवचन प्रदान किए तथा अन्य वक्ताओं ने भी गुणानुवाद करते हुए अपनी भावांजलि अर्पित की।


## श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

**श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये**

SCAN ME

* रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक *

http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur

bhandavpur@gmail.com

+91-7340009222

www.bhandavpur.com

पेढ़ी +91-7340019702-3-4

BTveer


# मुनिराजश्री की निश्रा में त्रिदिवसीय जिनेन्द्र भक्ति सहित द्विदशक महोत्सव

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी महाराजा के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्य कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में जीवाणा (राज.) में श्रेष्ठिवर्य संघवीश्री नेमीचन्दजी मिश्रीमलजी गुलेच्छा परिवार द्वारा आयोजित श्री जिनेन्द्र भक्ति महोत्सव सहित चमत्कारी श्री बायोसा माताजी मन्दिर की प्रतिष्ठा के 20 वर्ष पूर्णाहूति निमित्त त्रिदिवसीय द्विशतक महोत्सव दिनांक 28-29-30 दिसम्बर 2018 तक विविध कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ।

महोत्सव का शुभारम्भ मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का भव्य नगर प्रवेश बाजते-गाजते सकल श्रीसंघ के साथ लाभार्थी परिवार एवं ग्रामीणों ने भव्य सामैयापूर्वक करवाया। सामैया में गुरुभगवन्तों की

गहुँली तथा स्वागत करते हुए गुरुभक्तों ने आशीर्वाद प्राप्त किया। बैण्ड-बाजे की मधुर स्वरलहरियों पर नाचते हुए भव्य वरघोड़ा जिनमन्दिर पहुँचा जहाँ प्रभु दर्शन-वन्दन कर धर्मसभा में परिवर्तित हो गया। धर्मसभा में मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने कहा कि मनुष्य जीवन दुर्लभ है, यह बार-बार हमें प्राप्त नहीं होता। हमें अपनी दैनिक क्रियाओं में से कुछ समय धर्माराधना में लगाना चाहिये। जीवन में किसी भी कार्य को लक्ष्य निर्धारित करके करते हैं तो उस कार्य में अवश्य सफल होते हैं। धर्मसभा के पश्चात् पधारे हुए धर्मप्रेमियों ने महाप्रसादी का लाभ लिया।

## नगरसेठ श्री गुलेच्छा ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोनीत

दिनांक 30-12-2018 को जीवाणा संघ की जैन धर्मशाला में बैठक मुनिराजश्री आनन्दविजयजी की निश्रा में संघीय व्यवस्थाओं को सुसंगठित करने व नूतन ट्रस्ट मण्डल गठन करने के लिए हुई। जिसमें सर्वानुमति से श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ-राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर ट्रस्ट (संघ) का गठन किया गया एवं 12 सदस्यीय ट्रस्ट मण्डल का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष- संघवी शा. नेमीचन्दजी मिश्रीमलजी गुलेच्छा, उपाध्यक्ष- शा. मदनराजजी गेबीचन्दजी छत्रिया वोरा, कोषाध्यक्ष- शा. मोहनलालजी गिरधारीजी छत्रिया वोरा, सह कोषाध्यक्ष- शा. अशोककुमारजी घेवरचन्दजी कंकुचौपड़ा, मन्त्री- शा. शान्तिलालजी वस्तीमलजी गुलेच्छा एवं सात सदस्य- शा. उदयचन्दजी नाथाजी छाजेड़, शा. पृथ्वीराजजी पारसमलजी गुलेच्छा, शा. मगराजजी सरेमलजी छत्रिया वोरा, शा. कान्तिलालजी जेठमलजी मुणोत, शा. अशोककुमारजी जेठमलजी बागरेचा, शा. मनोहरमलजी जेठमलजी छाजेड़, शा. शान्तिलालजी भँवरलालजी पारख को सर्वसम्मति से मुनिराजश्री की निश्रा में मनोनीत किया गया। बैठक में जीवाणा में नूतन धर्मशाला तथा नूतन न्याती नोहरा बनाने का भी सर्वानुमति से निर्णय लिया गया तथा अतिप्राचीन भाण्डवपुर महातीर्थ में नूतन निर्मित द्वार का लाभ लेने का सर्वानुमति से प्रस्ताव पारित किया गया।

महोत्सव के तीसरे दिन आयोजक संघवी श्री नेमीचन्दजी मिश्रीमलजी गुलेच्छा के घर से गाजे-बाजे के साथ स्वर्ण सीढ़ी समर्पण समारोह पार्श्वनाथ जिनालय में मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. एवं साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि की निश्रा में सम्पन्न हुआ। श्री बायोसा माताजी मन्दिर के विशाल प्रांगण में आयोजक संघवी परिवार का 36 कौम द्वारा बहुमान किया गया। सर्वप्रथम महामण्डलेश्वरश्री रविशरणानन्दजी गिरि ने जीवाणा में गौशाला तथा आदर्श विद्या

मन्दिर की स्थापना का आशीर्वाद देते हुए आयोजक संघवी परिवार को नगरसेठ की पदवी से अलंकृत कर अनुमोदना की। मुनिराजश्री आनन्दविजयजी ने संस्कृति-सभ्यता पर हो रहे कुठाराघात की ओर सभी का ध्यान आकर्षित करते हुए संघवी परिवार द्वारा कृत सुकृत कार्यों की अनुमोदना की। इस अवसर पर वालेरा मठाधीशश्री पारसभारतीजी, मीठा मठाधीशश्री उम्मेदगिरिजी, क्षेत्रीय विधायक श्री जोगेश्वरजी गर्ग, पूर्व विधायक श्री अमृताजी मेघवाल तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे। तीनों दिन संगीतकारों ने भक्ति की रमझट मचाई। श्री बायोसा माताजी मन्दिर सेवा समिति ट्रस्ट व गणपति मित्र मण्डल के कार्यकर्ताओं का सम्पूर्ण कार्यक्रम में सहयोग प्रशंसनीय रहा।

# राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया अवलोकन

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के दिव्याशीष से एवं पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के शुभाशीर्वाद से अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश धरू के नेतृत्व में पदाधिकारियों का तृतीय दौरा मालवा की पाठशालाओं का अवलोकन दिनांक 10 से 13 जनवरी 2019 तक किया गया।

श्री यतीन्द्र ज्ञानपीठ के तत्वावधान में मालवा क्षेत्र में चल रही धार्मिक पाठशालाओं में चल रही सूत्र कण्ठस्थ कूपन योजना को प्रोत्साहन देने हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री धरू के नेतृत्व में राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रान्तीय पदाधिकारियों एवं श्रीसंघ के सदस्य उपस्थित रहे।

इस योजना के माध्यम से बच्चों में धार्मिक ज्ञानार्जन हो इस उद्देश्य को लेकर श्री धरू भारतभर की शाखाओं में जाकर पाठशाला के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। बच्चों के अध्ययन की जानकारी लेते हुए सभी स्थानों पर बच्चों से याद किए सूत्रों को सुनते हुए श्री रमेश धरू ने कहा कि सूत्रों को याद करने के पश्चात् उनका पुरनावर्तन भी आवश्यक है। क्योंकि यही बच्चे कल का भविष्य है। सभी बच्चों को सूत्र सुनने के पश्चात् पुरस्कृत किया गया।

# हस्तिनापुर दर्शनार्थ यात्रियों का आगमन

उदयपुर (स.सं.)

जैन मिलन पैलेस सिटी, मैसूर (कर्नाटक) द्वारा आयोजित स्पेशल ट्रेन यात्रा का आयोजन किया गया। मोहनखेड़ा, नागेश्वर आदि तीर्थों की स्पर्शना करते हुए यात्रा संघ 1200 यात्रियों के साथ 12 कल्याणकों की भूमि एवं 6 चक्रवर्तियों की जन्मभूमि हस्तिनापुर पहुचाँ। हस्तिनापुर में श्री शान्तिनाथ प्रभु एवं श्री आदिनाथ दादा के दर्शन-वन्दन के पश्चात् श्री रुघनाथमल समरथमल दोशी धर्मशाला में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सायं 8 बजे से देर रात तक चले इस कवि सम्मेलन का प्रारम्भ सूत्रधार एवं संचालक राष्ट्रीय कवि एवं गीतकार कुलदीप 'प्रियदर्शी' ने महावीर, नवकार वन्दना करते हुए किया। कासगंज से आए हास्य कवि निर्मल सक्सेना ने हास्यकी फूलझड़ियाँ छोड़ते हुए सभी को हँसाते हुए लोटपोट कर दिया। डॉ. उमाशंकर 'राही' बदायूँ' ने देशभक्ति से ओतप्रोत रचनाएँ सुनाते हुए 'लिया है जन्म मानव का तो फिर इन्सान बनकर जी। भले ही एक दिन को जी मगर पहचान बनकर जी। मिला जन्म भारत में सौभाग्य से- वतन की आन बनकर जी वतन की शान बनकर जी... वातावरण को वीर रसमय बनाया। प्रियदर्शी ने माँ की महिमा बताते हुए- सुख-दुःख और हर संकट में जिस माता ने साथ दिया, उस बालक ने नाथ बनते ही उसको अनाथ किया, जिसने अपना दूध पिलाया, नसीब न रोटी टुकड़ा होता। दृष्टि डालो सारी सृष्टि पर माँ से नहीं बड़ा होता... गीत सुनाया तो सारा सदन करतल ध्वनि से गूँजायमान हो उठा।

इस यात्रा के मुख्य लाभार्थी श्री गुलाबचन्दजी, राजेशकुमारजी, नरेशकुमारजी सालेचा परिवार ने सभी कवियों का तिलक, शाल, माला से बहुमान किया। कवि सम्मेलन के अन्त में यात्रा के संयोजक श्री अशोक सालेचा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रियदर्शीजी जैन समाज के लाड़ले कवि हैं और हमारे निमन्त्रण को स्वीकार कर हम सबको काव्यरस का पहले भी मैसूर में कई बार आनन्द दिलाया और आज भी आपने अपनी काव्य प्रतिभा से सबका मन मोह लिया हालांकि समय की कमी से प्यास रह गई वह हम मैसूर आमन्त्रित कर जी भर कर सुनेंगे। यात्रा संघ में श्री कान्तिलालजी छोगमलजी, मानमलजी दरला, महावीरजी भंसाली, अशोकजी बोहरा, विमलजी कोठारी, राजकुमारजी देतरला, अशोकजी कोठारी, उत्तमजी गुलेछा, हितेशजी पालरेचा आदि ने विशेष रूप से सेवाएँ प्रदान की। यहाँ से यात्रा संघ ने रात्रि 11.30 बजे अमृतसर के लिए प्रस्थान किया वहाँ से वैष्णोदेवी आदि तीर्थों की यात्रा करते हुए मैसूर पहुँचेंगे।

# श्री सकलेचा श्रीसंघ के अध्यक्ष नियुक्त

उदयपुर (स.सं.)

श्री पार्श्वनाथ पाठशाला, नागदा जं. में श्री श्वेताम्बर मूर्त्तिपूजक जैन श्रीसंघ द्वारा आयोजित साधारण सभा की बैठक में दिनांक 1 जनवरी 2019 को नवीन अध्यक्ष पद पर सर्वानुतमि से परम गुरुभक्त श्री विरेन्द्रजी सकलेचा (बड़ावदा वाले) का चयन किया गया। श्रीसंघ के पूर्वाध्यक्ष श्री सुनीलजी वागरेचा ने श्री सकलेचा के नाम का प्रस्ताव रखा जिसका उपस्थित श्रीसंघ के सदस्यों ने सर्वानुमति से करतल ध्वनि के साथ समर्थन किया।

आगामी चातुर्मास 2019 में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीजीश्री के चातुर्मास अध्यक्ष हेतु श्री दिलीपजी ओरा नागदा को सर्वसम्मति से चयनित किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित श्रीसंघ अध्यक्ष एवं चातुर्मास अध्यक्ष का स्वागत किया गया तथा श्रीसंघ के पूर्व पदाधिकारियों का भी उनके कार्यकाल में किए गए जिनशासन प्रभावना के कार्यों के लिए की गई सेवाओं हेतु बहुमान किया गया। यतीन्द्र वाणी परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

# दीक्षा की प्रथम वर्षगाँठ पर चैत्यपरिपाटी

उदयपुर (स.सं.)

आहोर निवासी परम गुरुभक्त संघवी कुन्दनमलजी भुताजी परिवार द्वारा श्री के. के. संघवीजी के संयोजन में आचार्यदेव श्री जयानन्दसूरिजी म. सा. के बाल शिष्य मुनिश्री अर्पणविजयजी म. सा. के प्रथम वार्षिक दीक्षा तिथि मगरसर वद 1 (गु.) के प्रसंग पर थाने से श्री शीतलनाथ आदि 4 जिनमन्दिरों की चैत्यपरिपाटी का आयोजन किया गया एवं तपस्वियों का विशेष बहुमान किया गया। इस अवसर पर अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे।

# आहोर जैन प्रवासी संघ का सम्मेलन सम्पन्न

उदयपुर (स.सं.)

श्री आहोर जैन प्रवासी संघ-महाराष्ट्र का 25 वाँ द्विदिवसीय स्नेह सम्मेलन कलिकुण्ड तीर्थ, खम्भात तीर्थ एवं मणि-लक्ष्मी आदि यात्रा प्रवास के साथ सानन्द सम्पन्न हुआ।

कलिकुण्ड तीर्थ में देवदर्शन, भव्य स्नात्रपूजा, सम्मेलन के विशेष लाभार्थियों का बहुमान एवं संस्था के आद्य संस्थापक महानुभावों का सम्मान किया गया। यहाँ विराजित आचार्यश्री ललितशेखरसूरिजी म. सा. का मननीय प्रवचन हुआ। श्री जे. के. संघवीजी ने जानकारी देते हुए बताया कि बहिनों एवं बालकों के लिए विशेष खेलकूद एवं विविध प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। प्रत्येक परिवार एवं लाभार्थी परिवार को मिठाई के पैकेट वितरीत किए गए। सम्मेलन को सफल बनाने में पदाधिकारी, कार्यकारिणी के सदस्यों व श्रीसंघ का सम्पूर्ण सहयोग प्रशंयनीय रहा।

# परिषद् के राष्ट्रीय मन्त्री का देहावसान

उदयपुर (स.सं.)

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय मन्त्री श्री दिनेश मामा, राजगढ़ (म. प्र.) का दिनांक 3 जनवरी 2019 को अहमदाबाद में उपचार के दौरान देहावसान हो गया।

परम गुरुभक्त, विनम्रता एवं सरलता के पर्याय श्री दिनेश मामा ने अपनी विशिष्ट कार्यशैली से अल्प समय में ही समाज एवं परिषद् में अपना वैशिष्ट्य स्थान बनाते हुए पुण्य-सम्राट गुरुदेव सहित पट्टधरद्वय का आत्मीय आशीर्वाद प्राप्त किया था। पूज्य गुरुभगवन्तों के सन्देश वाहक बनकर स्टार प्रचारक के रूप में आपने प्रसिद्धि पाई थी। श्री दिनेश मामा की गुरुभक्ति अनुकरणीय ही नहीं अपितु अनुमोदनीय है।

3 जनवरी 2019 को उनके अन्तिम संस्कार में अनेक श्रीसंघों, परिषदों के गणमान्य उपस्थित थे। उनके देहावसान पर पट्टधरद्वय के अतिरिक्त साधु-साध्वी भगवन्तों ने शोक व्यक्त करते हुए समाज में हुई इस क्षति को अपूरणीय बताया। यतीन्द्र वाणी परिवार अरिहन्तदेव एवं दादागुरुदेव से अभ्यर्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करे एवं परिवारजन को इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

।। श्री सायला नगर मण्डण श्री पार्श्व-सुपार्श्व-कुन्थुनाथाय नमः ।।
।। विश्वपूज्य प्रातःस्मरणीय प्रभु श्रीमद्विजय राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेनसूरीश्वर गुरुभ्यो नमः ।।
।। कृपासिन्धु योगिराज संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजय गुरुभ्यो नमः ।।

दियावट की दिव्य भूमि

**श्री सायला नगरे**

**शा. मोड़मलजी जोईताजी बाफणा**

के विविध तप अनुमोदनार्थ

उद्यापन सह जीवित श्री जिनेन्द्र भक्ति पंचाह्निका महोत्सव प्रसंगे

**सकल श्रीसंघ आमन्त्रण**

* तारक निश्रा *

प. पू. पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर

सूरिमन्त्राराधक, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक प. पू. आचार्यदेवेश

**श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.**

आदि मुनि भगवन्त

महोत्सव शुभारम्भ — पौष शुक्ला-14, दि. 20-1-2019, रविवार

स्वर्णसीढ़ी समर्पण — माघ कृष्णा-4, दि. 24-1-2019, गुरुवार

* आयोजक आमन्त्रक *

शाह मोड़मलजी जोईताजी बाफणा परिवार

पोस्ट ऑफिस रोड़, पो.- सायला

जिला- जालोर (राज.) 343 022 मो. 94407 07673



।। श्री सियाणा नगर मण्डण श्री सुविधि-ऋषभदेवाय नमः ।।
।। लब्धिनिधान श्री गौतमस्वामिने नमः ।। ।। गच्छाधिपश्री सुधर्मास्वामिने नमः ।।
।। श्री सौधर्मबृहतपोगच्छीय विश्वपूज्य प्रभु श्रीमद्विजय राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेनसूरीश्वर गुरुभ्यो नमः ।।

श्री सियाणा नगरे
श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि
**प्रतिष्ठाञ्जनशलाका**
शुभ प्रतिष्ठा : माघ शुक्ला 6, 11-2-2019

श्री अभिधान राजेन्द्र विश्वकोष उद्भव स्थली एवं

पुण्य-सम्राटश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी की दीक्षा भूमि, प्राचीन ऐतिहासिक मरुधर मुकुट शिरोमणि

**श्री सियाणा नगरे**

श्री केशरियानाथ ऋषभदेव पार्श्वनाथ आदि जिनबिम्ब,

गुरु गौतमस्वामी-राजेन्द्रसूरि आदि गुरुबिम्ब प्रतिष्ठा तथा विहरमान

श्री सीमन्धरस्वामी, अभिनन्दनस्वामी आदि जिनबिम्ब प्रतिष्ठंजनशलाका निमित्त

**एकादशाह्निका महामहोत्सव शुभ प्रसंगे**

**सकल श्रीसंघ आमन्त्रण**

* दिव्यकृपा *

प. पू. पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा.

प. पू. योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.

* शुभनिश्रा प्रदाता *

प. पू. धर्मदिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.

* प्रतिष्ठा मार्गदर्शक *

प. पू. भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

* दिव्यकृपा *

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक संघ श्री सुविधिनाथ जैन पेढ़ी-सियाणा एवं

श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि प्रतिष्ठाञ्जनशलाका महामहोत्सव समिति

श्री सुविधिनाथ जैन पेढ़ी

मेन बाजार, मु. पो.- सियाणा, जिला- जालोर (राज.) 343 024

दूरभाष - 02973-240083


## योगी-वाणी

आम्र को काट कर खाओ या रस बनाकर खाओ वह मिठास समान ही देता है। वैसे ही-

सज्जन पुरुषों का स्वभाव भी आम्र के समान मधुर होता है। उनके व्यवहार को किसी भी प्रकार परखो, अनुभव मधुर ही रहेगा।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

## आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424


श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

# यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
**पंकज बी. बालड़**

स. सम्पादक
**कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'**

प्रधान कार्यालय
**श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार**
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

**सदस्य शुल्क**

| | |
|---|---|
| संरक्षक सं. | 11000/- रुपये |
| सदस्य सं. | 7100/- रुपये |
| आजीवन ग्राहक | 1000/- रुपये |
| एक प्रति | 5/- रुपये |

**विज्ञापन दर**

| | |
|---|---|
| प्रथम पूरे पृष्ठ के - | 5100/- रुपये |
| अन्य पूरे पृष्ठ के - | 2100/- रुपये |
| अन्तिम पूरे पृष्ठ के - | 3100/- रुपये |
| अन्दर के एक चौथाई के - | 801/- रुपये |

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजे।

* लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। * सम्पादक, यतीन्द्र वाणी



प्रेषक :
**यतीन्द्र वाणी** (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com



'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020


श्री.....
.....
.....


स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित